सत्यमेव जयते
Government of India

Media Scanning & Verification Cell

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
7692	24.08.2023	25.08.2023	Rayagada Odisha	www.jagran.com/Hindi https://www.jagran.com/odisha/bhubaneshwar-malaria-outbreak-in-odisha-rayagada-more-than-40-children-in-the-grip-of-disease-beds-are-getting-full-in-hospitals-23510973.html
Title:	**Malaria outbreak in Odisha's Rayagada**			
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to DSU – Rayagada, SSU- Odisha			

ओडिशा के रायगड़ा जिले में मलेरिया ने खतरनाक रूप धारण कर लिया है। पिछले छह दिनों में जिले के विभिन्न ब्ला ॅकों से 40 से अधिक बच्चे मलेरिया से पीड़ित पाए गए हैं। इन बच्चों का रायगड़ा मुख्यालय अस्पताल में इलाज चल रहा है। जिले में बीमारी फैलने में कोई कमी नहीं दिख रही है।

हर रोज मलेरिया के मरीज अस्पतालों में हो रहे एडमिट

जनवरी से जुलाई के बीच जिले में 4,844 लोग मलेरिया से पीड़ित हुए हैं और उनका इलाज हुआ है। इनमें 533 मरीज पांच साल से कम उम्र के बच्चे हैं।

जिला मुख्यालय अस्पताल से उपलब्ध विवरण के अनुसार, इस वर्ष जनवरी से जुलाई के बीच 3,23,318 व्यक्तियों का मलेरिया परीक्षण किया गया।

हालात ये हो गए हैं कि जिले के विभिन्न प्रखंडों से प्रतिदिन मलेरिया के मरीज जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं।

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054
For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029
Email: - idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in
Join us on twitter https://twitter.com/IDSP_MSVC

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

अस्पताल में मरीजों के लिए बेड पड़ रहे कम

वहीं, जिला मुख्यालय अस्पताल में कोई विशेष मलेरिया वार्ड नहीं होने के कारण मरीजों को समुचित इलाज पाने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

मलेरिया से प्रभावित लोगों को मुख्य रूप से अस्पताल के मेडिसिन वार्ड में भर्ती किया जा रहा है, जहां केवल 27 बिस्तर हैं। जबकि भर्ती मरीजों की संख्या 100 से अधिक है।

नतीजतन, मरीजों को मेडिसिन वार्ड के फर्श पर लेटे हुए इलाज के लिए देखा जा सकता है। इसी तरह, बाल रोग वार्ड में केवल 35 बिस्तर हैं, लेकिन मरीजों की संख्या उपलब्ध बिस्तरों से अधिक है।

चौंकाने वाली बात यह है कि कई बच्चों को उनके अभिभावकों के साथ अस्पताल के शौचालयों के पास लेटे हुए बीमारी का इलाज कराते हुए देखा जा सकता है। इससे मरीजों और उनके परिजनों में तीव्र आक्रोश और गुस्सा है।

स्वास्थ्य विभाग ने किया मच्छरदानी बांटने का दावा

स्थानीय बुद्धिजीवियों ने आरोप लगाया है कि अगर जिला मुख्यालय अस्पताल की हालत इतनी खराब है तो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

दूसरी ओर, जिला स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को औषधी व मच्छरदानी वितरित करने और निवासियों को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाने का दावा किया है। अधिकारियों ने कहा कि विभाग ने 2020 में हर ब्लॉक में मच्छरदानी वितरण किया है और 2024 में भी इसी तरह की मच्छरदानी वितरित करने की योजना है।

फसलों को ढकने में हो रहा मच्छरदानी का इस्तेमाल

हालांकि, ग्रामीण इलाकों में लोग सोते समय इन मच्छरदानियों का उपयोग नहीं करते हैं। वे अपने खेतों में फसलों को ढकने में उनका उपयोग करते हैं। कुछ अन्य लोग भी इन जालों को धोकर अन्य उपयोग में लाते हैं।

जिला स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि वे लोगों को जाल का उचित उपयोग करने के लिए जागरूक कर रहे हैं। जिला प्रशासन भी इस संबंध में लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है।

संपर्क करने पर मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी (सीडीएमओ) डॉ. लालमोहन राउतराय ने कहा कि मौसम में बदलाव के कारण अधिक मलेरिया रोगियों की पहचान की जा रही है।

उन्होंने कहा कि फिलहाल अस्पताल में बिस्तरों की कमी के कारण हमारे पास विशेष मलेरिया वार्ड स्थापित करने की कोई योजना नहीं है। अस्पताल की नई इमारत निर्माणाधीन है और कुछ वार्डों को नई इमारत में स्थानांतरित करने से बिस्तरों की कमी दूर हो जाएगी।

इसके अलावा, स्वास्थ्य विभाग मलेरिया उन्मूलन पर 'दमन' शिविर भी आयोजित कर रहा है, ग्रामीण क्षेत्रों में डीडीटी का छिड़काव कर रहा है और बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है।